

देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार में कैंसर रोगियों को पेलिएटिव केयर सुविधा



ऋषिकेश - 1999 में स्थापित पुणे स्थित एक एनजीओ मुकुल माधव फाउंडेशन (एमएमएफ) ने उत्तराखंड में गंगा घेन हॉस्पिटल के साथ साझेदारी करने की घोषणा की है। यह साझेदारी देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार में कैंसर रोगियों की पेलिएटिव केयर सुविधा के लिहाज से की गई है। इसी सिलसिले में 28

मई, 2023 को आयोजित एक कार्यक्रम में गंगा घेन हॉस्पिटल की पेलिएटिव केयर यूनिट का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति और प्रमुख कर्मचारी उपस्थित थे। श्री ए के शीवान, गंगा घेन हॉस्पिटल के चिकित्सा निदेशक, डॉ. सपत्नी शीवान, एनजी, अट्टा कैंसर केयर ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी, अरुण ओझा, महाप्रबंधक, सिजी (रिटेल/प्रोजेक्ट्स), किंगडोमेन्स इंडस्ट्रीज, पूजा सोमरा, सीफा ऑफ ऑपरेशंस (सीओओ) गंगा घेन हॉस्पिटल, मनीषा, गंगा घेन हॉस्पिटल की ट्रस्टी और आध्यात्मिक सलाहकार और अमृत राज, ऋषिकेश में आरोग्यघाटन में एक पुरस्कार विजेता आनुरोध चिकित्सक और एमएमएफ के सुभारंभक की मौजूदगी में पेलिएटिव केयर यूनिट का शुभारंभिक रुप से शीघ्र किया गया। इस तरह अब कैंसर रोगियों को सहज देखभाल की सुविधा मिल सकेगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि कैंसर रोगियों की देखभाल की दिशा में यह सिर्फ एक काम है और यह सपोर्ट आने वाले कई वर्षों तक कायम रहेगा। इस महत्वपूर्ण पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, मुकुल माधव फाउंडेशन की मैनेजिंग ट्रस्टी, कीमती रीता सिंधुजा खखड़िया ने कहा, "गंगा घेन हॉस्पिटल की पेलिएटिव केयर यूनिट का शुभारंभ करने के साथ मुकुल माधव फाउंडेशन में हम खुद को सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इस तरह हमने गंगा घेन हॉस्पिटल के ट्रस्टियों और प्रबंधन की समर्पित टीम के मार्गदर्शन में पिछले 1-2 साल से किए जा रहे काम को मान्यता देते हुए इसने अपनी ओर से योगदान करने का प्रयास किया है। हरिद्वार में रहने लिए बहुत खान है, क्योंकि हमारी जड़ें यहाँ से हैं, मेरी दादी और पैतृक परिवार सब बहुत यहाँ से जुड़ा है। आज मेरी दादी मुझे वापस उन स्थानों पर ले जाती हैं जहाँ मैंने अपना समय बिताया था। गंगा के सीतल जल में डुबकियाँ लगाया और उसके बाद पूरी भाजी का स्वाद चखना, चहल-पहल मरे बाजार, सिंधु के पत्थरों में टहलना और सीढ़ियों से झिलझिलते पीपों को देखना— सब कुछ आज भी मेरी दादी में बसा है।